कृषि विज्ञान केन्द्र, हनुमानगढ़–। (राज.)

ग्रामोत्थान विद्यापीठ, संगरिया

किसान भाईयों से विन्रम अपील

नमस्कार किसान बन्धुओं,

हनुमानगढ़ जिले में गंगानगर जिले से टिड्डी दल का आगमन हो रहा है और आगे भी इसके बने रहने की सम्भावना है। अतः सभी किसान भाई टिड्डी आने से पहले कुछ तैयारी करके रखें और आवयश्कता पड़ने पर उचित प्रबन्धन करें।

1. अपने खेत में थोड़ी थोड़ी दूरी पर छोटी छोटी कचरे की ढ़ेरियां बनाकर रखें ताकि टिड्डी आने पर उनको जलाकर धुंआ किया जा सके।

2. किसान भाई अपने पास कुछ मात्रा में कीटनाशक जैसे फेनवेलरेट 0.4% DP, क्यूनॉलफॉस 1.5% DP, लेम्ब्डासाहेलोथ्रिन 5% EC, लेम्ब्डासाहेलोथ्रिन 10% EC, मैलाथियॉन 50% EC इत्यादि रखें ताकि टिड्डी आने पर फसल पर भुरकाव/छिड़काव किया जा सके।

3. गांव में उपलब्ध सभी ट्रैक्टर माउंटेड स्प्रेयर और पानी का टैंकर तैयार रखें ताकि आवश्यकता पडने पर काम आ सके।

4. टिड्डी दल दिखाई पड़ते ही तुरन्त कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि विभाग और स्थानीय प्रशासन को सूचित करें। साथ ही किसी बरतन, पीपा इत्यादि से आवाज कर उसे भगाने का प्रयास करें।

5. रात्रि के समय टिड्डी दल के पड़ाव की सूचना कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि विभाग और स्थानीय प्रशासन को देवें।

6. टिड्डी दल के पड़ाव स्थल पर रात के समय फेनवेलरेट 0.4% DP या क्यूनॉलफॉस 1.5% DP का 25 किलोग्राम प्रति हैक्टर की दर से भुरकाव करें अथवा लेम्ब्डासाहेलोथ्रिन 5% EC 400 मिलीलीटर या लेम्ब्डासाहेलोथ्रिन 10% EC 200 मिलीलीटर या मैलाथियॉन 50% EC 1850 मिलीलीटर प्रति हैक्टर का छिड़काव करें।

7. टिड्डी दल के नियंत्रण हेतु कृषि विभाग राजस्थान सरकार द्वारा कीटनाशक अनुदान पर उपलब्ध हैं।

8. संम्पर्क सूत्रः– 01499–252702

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष